DHIRUBHAI AMBANI
INTERNATIONAL SCHOOL

PRELIMINARY EXAMINATION 2015–2016

विषय – हिन्दी भाषा और साहित्य
कक्षा– १०वीं अ

दिनांक –४ जनवरी ,२०१६
समय –३ घंटे
(+१५ मिनट पढ़ने के लिए)
कुल अंक ८०

General Instructions:

- Answers to this paper must be written on the paper provided separately.
- Attempt all questions.
- This paper consists of two sections.
- All four questions in section A are compulsory.
- Answer any four questions from section B.
- This paper has (4 + 6 questions) on 9 pages.
- The intended marks for the questions or parts of questions are given in Brackets.[ ]

SECTION A (40 Marks)

Attempt all question

प्रश्न १ निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए जो दो सौ पचास शब्दों से कम न हो। [15]

i) खेलों में राजनीति नहीं होनी चाहिए। इस कथन पर विचार करते हुए बताइए कि विश्व के खेलों में भारत के स्तर को हम कैसे ऊँचा उठा सकते हैं?

ii) ग्राम्य जीवन में क्या आनंद है? हमारे नगर गाँवों के किस प्रकार ऋणी है। गाँव की स्वच्छ हवा; प्रकृति की समीपता, ग्रामीणों के छल-फरेब से मुक्त जीवन आदि की ओर संकेत करते हुए एक प्रस्ताव लिखिए।

Scanned by CamScanner

iii) आज हमारा समाज बाल-मज़दूर समस्या से ग्रसित है। इससे किस प्रकार छुटकारा पाया जा सकता है, समझाकर लिखिए।

iv) एक मौलिक कहानी लिखिए जिसका आधार निम्नलिखित कथन हो- 'मनुष्य वही है जो मनुष्य के लिए मरे।'

v) दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए।

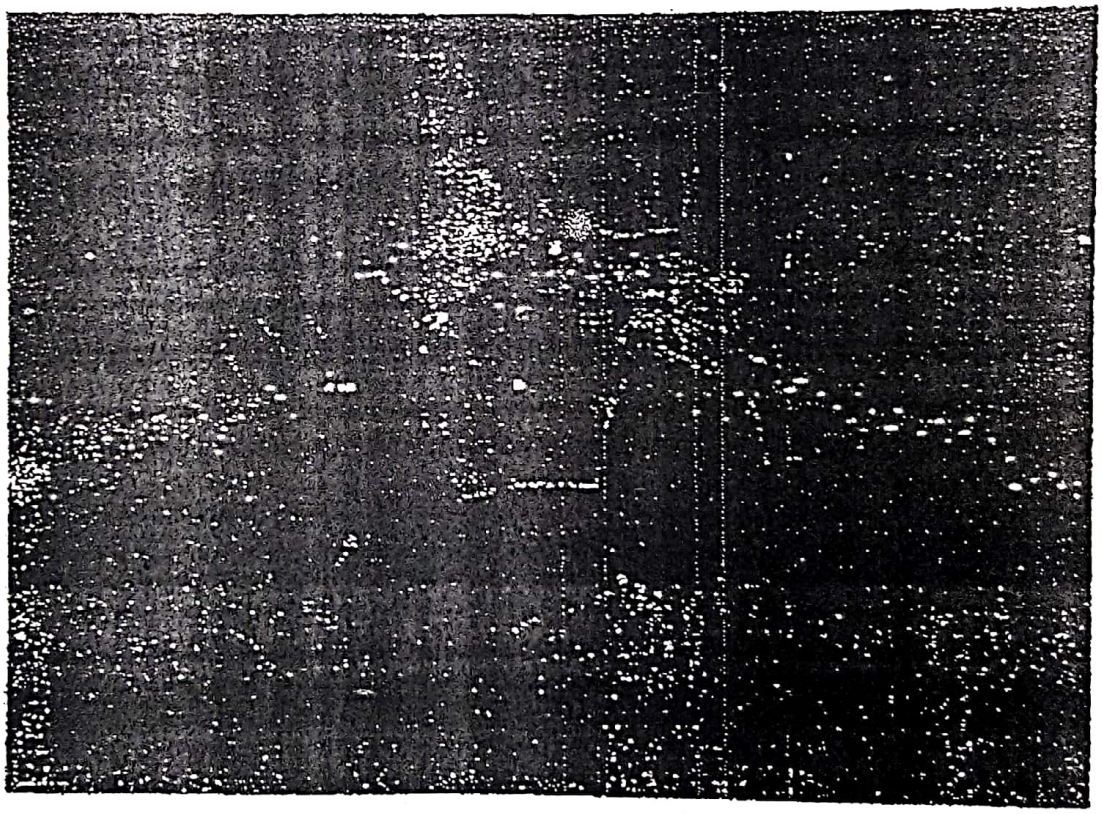

प्रश्न 2 **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर पत्र लिखिए।** [7]

i) आपके आस-पास के क्षेत्र में सड़कों को चौड़ा करने के उद्देश्य से सड़क इंजिनियरों द्वारा बिना अनुमति के वृक्षों का लगातार कटान हो रहा है। इसके नियंत्रण के लिए नगरनिगम के अध्यक्ष को एक शिकायती पत्र लिखिए।

ii) आपके माता-पिता को किसी कारणवश आपके प्रति गलतफहमी हो गई थी। उसका कारण बताते हुए अपने पिता को पत्र लिखिए और आपके व्यवहार में उन्हें जो त्रुटि दिखाई दी हो उसके लिए क्षमा माँगिए।

Scanned by CamScanner

प्रश्न ३ नीचे लिखे गद्यांश को ध्यान से पढ़िये और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दीजिए ।

वन हमारी प्राकृतिक संपदा के महत्त्वपूर्ण साधन हैं। हमारी सभ्यता और संस्कृति का वन-वृक्षों से अत्यंत घनिष्ठ संबंध है। हमारी आध्यात्मिक और भौतिक समृद्धि के उन्नायक वन ही हैं। आयुर्वेद की जड़ी-बूटियाँ भी वन से ही प्राप्त होती हैं। प्राचीन काल में विद्या के केंद्र आश्रम और गुरुकुल हरे-भरे वनों में ही स्थित थे। दार्शनिकों और चिंतकों ने नदी-तटों और पर्वतों की घाटियों में स्थित सघन वनों में रहकर ज्ञान-विज्ञान के नवीन सिद्धांतों का प्रतिपादन और नये अनुसंधान किए है। आज भी दुःख और चिंताओं से तनावग्रस्त मानव वनों की शांत, सुरम्य हरीतिमा में विश्राम पाता है। वह वृक्षों से त्याग, परोपकार, विनम्रता और एकता का जीवन-पाठ पढ़ता है।

दुर्भाग्यवश पिछले अनेक वर्षो में वनों की निर्मम कटाई भी की गई है। बढ़ती हुई जनसंख्या की विविध प्रकार की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए बड़े पैमाने पर वनों को काटा गया है। खेत, मकान बनाने, कल-कारखाने लगाने, सड़कों और रेल-मार्गो को बनाने लिए भूमि की आवश्यकता बढ़ती गई और इसकी आपूर्ति के लिए वनों को ही काटा गया। सिंचाई और विद्युत परियोजनाओं के लिए जंगलों को जलमग्न किया गया। इसके साथ ही कल-कारखानों के लिए कच्चे माल की उपलब्धि हेतु वन-संपदा का निर्ममता से दोहन किया गया, इन कार्यों के दुष्परिणामों को हम अब प्रत्यक्ष रूप से अनुभव कर रहे हैं। वृक्षों की निर्मम कटाई के कारण ही भारतवर्ष की जलवायु गर्म और शुष्क होती जा रही है वर्षा अनियमित और असमान हो गई हैं। भूमि का कटाव तेजी के साथ बढ़ रहा है। भूमि की उर्वरा शक्ति कम हो रही है। रेगिस्तान का फैलाव तेजी के साथ बढ़ रहा है। भूमि के अंदर के जल-स्त्रोत सूख रहे हैं।

आज वनों का संरक्षण व संवर्धन एक महत्त्वपूर्ण आवश्यकता है। देश की आर्थिक समृद्धि के लिए भी वनों के संरक्षण की तीव्र आवश्यकता है। अतिवृष्टि, अकाल, बाढ़, रेगिस्तान आदि की विषम समस्याओं पर काबू पाने के लिए वनों के संरक्षण के हर संभव प्रयास करने ही होंगे। पर्यटन की दृष्टि से भी वनों का संरक्षण होना

Scanned by CamScanner

चाहिए— क्योंकि इससे विदेशी मुद्रा प्राप्त होती है।

वनों से होने वाले प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष लाभों के कारण भी वनों का संरक्षण आवश्यक है। वनों से अनेक प्रकार की लकड़ियाँ प्राप्त होती हैं, जिनका उपयोग ईंधन, रेल के डिब्बे, स्लीपर, जहाज आदि में होता है। वनों से प्राप्त सहायक उत्पादों का उपभोग उद्योगों में कच्चे माल के रूप में किया जाता है। वनों से प्राप्त विविध प्रकार की वस्तुओं का प्रयोग करके अनेक लघु तथा कुटीर उद्योग चलाए जाते हैं। वनों से पशुओं को चारा मिलता है। कुछ वनस्पतियों तथा जड़ी-बूटियों का प्रयोग औषधियों के निर्माण में होता है। वन वातावरण के तापक्रम को नियंत्रित कर जलवायु में समानता बनाए रखने, मिट्टी के बहाव को रोकने, वर्षा को आकर्षित करने, ऑक्सीजन देकर वातावरण को शुद्ध बनाने और बाढ़ नियंत्रण में सहायक होते हैं।

वनों के इतने महत्त्व को देखते हुए ही सन् 1950 से 'वन महोत्सव' का आयोजन प्रारंभ किया गया। यह प्रतिवर्ष एक जुलाई से सात जुलाई तक मनाया जाता है। इस दिन देश भर में लाखों पौधे लगाए जाते हैं। शासन की ओर से पौधे बिना मूल्य वितरित भी किये जाते हैं। इन नवीन पौधों की जड़ें जमने तक उनके संरक्षण का प्रबंध भी किया जाता है। वन महोत्सव का उद्देश्य वृक्षारोपण की प्रेरणा के अलावा वृक्षों की रक्षा तथा उचित देखभाल के लिए उचित चेतना उत्पन्न करना भी है।

i) भारत में वनों का प्राचीनकाल में क्या महत्त्व था ? [2]

ii) भारतवर्ष में पिछले वर्षों में वनों की निर्मम कटाई के क्या कारण रहे हैं ? [2]

iii) वनों की कटाई से क्या प्रभाव पड़ रहा है ? [2]

iv) वनों के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष लाभ बताइए। [2]

v) वन महोत्सव क्या है ? [2]

Scanned by CamScanner

DHIRUBHAI AMBANI
INTERNATIONAL SCHOOL

प्रश्न ४ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए

i) निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए [1]

दु:ख, इच्छा

ii) निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक दीजिए। [1]

दुर्भाग्यवश, अनियमित

iii) नीचे लिखे मुहावरों से वाक्य बनाइए। [1]

अक्ल के घोड़े दौड़ाना, उँगली पर नचाना

iv) निम्नलिखित शब्दों से विशेषण शब्द बनाइए [1]

दया, नीति

v) निम्नलिखित शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाइए [1]

शांत, काला

vi) निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार दोबारा लिखिए। [3]

i) प्रशंसा के योग्य जीवन तो उन लोगों का है जो दूसरों के लिए जीते हैं ।
(वाक्य को भविष्यत्काल में बदलिए।)

ii) बाज मनुष्य की-सी भाषा में उदार-हृदय राजा से बोला।
('बाज ने' का प्रयोग कर वाक्य पुन: लिखिए)

Scanned by CamScanner

DHIRUBHAI AMBANI
INTERNATIONAL SCHOOL

SECTION B (40 Marks)

Attempt **four questions** from this Section
You must answer at least **one question** from each of the two Books you have studied and any two other questions.

गद्य संकलन

प्रश्न ५ · ऐसे लोग दुनिया के तख्ते को अपनी आँखों की पलकों से हलचल में डाल देते हैं।

सच्ची वीरता

सरदार पूर्ण सिंह

i) कैसे लोग दुनिया के तख्ते को हलचल में डाल देते हैं? [2]

ii) बाकी सब आवाज़ें बन्द क्यों हो जाती हैं? [2]

iii) 'ऐसे लोग' से आप क्या समझते हैं? इनके गुणों के बारे में लिखिए। [3]

iv) 'ऐसे वीरों' के लेखक ने जितने भी उदाहरण दिए हैं उनमें से किन्हीं तीन के वारे में लिखिए। [3]

प्रश्न ६ मुरली वाला एकदम अप्रतिभ हो उठा! बोला–' आपको क्या पता बाबूजी इनकी असली लागत क्या है?

मिठाई वाला

भगवती प्रसाद वाजपेयी

i) मुरली वाला किससे बातें कर रहा था?वह कौन सी वात सुनकर अप्रतिभ हो गया ?' [2]

ii) उसने मुरली के क्या दाम वताए ? उसे सुनकर वावू ने मन ही मन क्या सोचा ? [2]

iii) मुरली वाले ने विजय वावू से ग्राहकों की किस मनोवृत्ति की चर्चा की ? [3]

iv) मुरली वाले की बातें सुनकर विजय वावू ने क्या उत्तर दिया? [3]

Scanned by CamScanner

प्रश्न ७ उसको अन्त तक यही विश्वास रहा कि यह सब कुछ पुलिस की चालबाजी है। अदालत में जब दूध का दूध और पानी का पानी किया जायेगा, तब वे बच्चे जरूर बेदाग छूट जायेंगे।

उसकी माँ

पाँडेय बेचन शर्मा 'उग्र'

i) इस कथन से सम्बन्धित महिला कौन है? उसे क्या विश्वास था? [2]

ii) उसके विचार में किसकी चालबाजी थी? पुलिस ने क्या आरोप लगाए थे? [2]

iii) 'दूध का दूध और पानी का पानी' होने का क्या अर्थ है? ऐसा कहाँ हो सकता था? [3]

iv) क्या उसकी आशा पूर्ण हुई? यदि नहीं तो क्यों? [3]

काव्य चन्द्रिका

प्रश्न ८ जब तक साथ एक भी दम हो,
हो अवशिष्ट एक भी धड़कन।
रखो आत्म- गौरव से ऊँची,
पलकें,ऊँचा सिर,ऊँचा मन।
एक बूँद भी रक्त शेष हो,
जब तक तन में हे शत्रुंजय।
दीन वचन मुख से न उचारो,
मानो नहीं मृत्यु का भी भय।

स्वदेश प्रेम

रामनरेश त्रिपाठी

Scanned by CamScanner

i) कवि ने नवयुवकों को क्या प्रेरणा दी है? [2]

ii) आत्म गौरव से ऊँची पलकें, ऊँचा सिर ,ऊँचा मन रखने से क्या तात्पर्य है? [2]

iii) शत्रुंजय किसे कहा गया है और क्यों? [3]

iv) कवि दीन वचन न बोलने व मृत्यु का भय न मानने को किससे और क्यों कह रहा है? [3]

प्रश्न ९

उड़ते सोन बलाक आर्द्र सुख से कर क्रन्दन,
घुमड़-घुमड़ फिर मेघ गगन में भरते गर्जन
वर्षा के प्रिय स्वर उर में बुनते सम्मोहन,
प्रणयातुर शत कीट-विहग करते सुख गायन।

सावन

सुमित्रानन्दन पंत

i) वर्षाकाल में विभिन्न प्राणियों की क्या प्रतिकिया होती है? [2]

ii) वर्षा ऋतु के प्राकृतिक सौन्दर्य का वर्णन कीजिए। [2]

iii) वर्षा के स्वर किस प्रकार व किसके मन में सम्मोहन भर देते हैं? [3]

iv) अर्थ लिखिए – सोन-बलाक, आर्द्र, गर्जन, सम्मोहन, उर, प्रणयातुर। [3]

प्रश्न १०

तरुवर फल नहिं खात है, सरवर पियहिं न पान।
कहि रहीम पर काज हित, संपति सँचहि सुजान।
रहिमन देखि बड़ेन को, लघु न दीजिए डारि।
जहाँ काम आवै सुई, कहा करै तरवारि।।
रहिमन वे नर मर चुके,जे कहुँ माँगन जाहिं।
उनतें पहिले वे मुए,जिन मुख निकसत नाहिं

नीति के दोहे
रहीम

Scanned by CamScanner

DHIRUBHAI AMBANI
INTERNATIONAL SCHOOL

i) 'तरुवर' व 'सरवर' का अर्थ स्पष्ट करते हुए बताइए कि इन दोनों की क्या विशेषता है? कवि इनके द्वारा क्या संदेश देना चाहते हैं? [2]

ii) तलवार के स्थान पर सुई का महत्व बताते हुए कवि क्या कहना चाहते हैं? [2]

iii) रहीम के माँगने के विषय में क्या विचार है? [3]

iv) रहीम की भाषा शैली पर प्रकाश डालते हुए उनके दोहों का उद्देश्य लिखिए। [3]

Scanned by CamScanner